

विषय-सूची

● गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्र

तृतीय प्रश्न-पत्र (A) [Paper-III (A)]

कोर समूह

इकाई I : फेनोमेनोलॉजी एवं एथनोमैथडोलॉजी

(Phenomenology and Ethnomethodology)

3-32

फेनोमेनोलॉजी, फेनोमेनोलॉजी की विशेषताएँ, अल्फ्रेड शुट्ज, पीटर एल. बर्जर एवं थॉमस लुकमान, एथनोमैथडोलॉजी, हैरॉल्ड गारफिंकल, इरविंग गोफमैन, अन्तःक्रिया क्रम, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई II : नवप्रकार्यवाद एवं नवमार्क्सवाद

(Neo-functionalism and Neo-marxism)

33-56

नवप्रकार्यवाद, जेफ्रे सी. एलेक्जेंडर, नवमार्क्सवाद, जुरगेन हैबरमास, लुइस अल्थूजर, संरचनावाद के सम्प्रतिपत्ति एवं संघर्ष प्रारूप, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई III : संरचनाकरण एवं उत्तरआधुनिकता

(Structuration and Post-modernism)

57-76

भाषा विज्ञान में संरचनावाद, एंथनी गिडेन्स, गिडेन्स के संरचनाकरण की समालोचना, उत्तरआधुनिकतावाद, माइकल फूको, जैक्स डेरिडा, आधुनिकता एवं उत्तरआधुनिकता में अंतर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई IV : भारतीय समाज का अवधारणात्मक स्वरूप

(Conceptualizing Indian Society)

77-104

भारत के लोग : समूह एवं समुदाय, एकता एवं विविधता, जाति एवं जनजाति, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई V : सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य (Theoretical Perspectives)

105-135

भारतशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य, जी. एस. घुरिये, लुई ड्यूमां, संरचनात्मक प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य, मैसूर नरसिम्हाचार श्रीनिवास, प्रो. श्यामाचरण दुबे, मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य, धुर्जटि प्रसाद मुखर्जी, अक्षय कुमार रमणलाल देसाई, सभ्यतावादी परिप्रेक्ष्य, निर्मल कुमार बोस, सुरजीत सिन्हा, दलितवादी परिप्रेक्ष्य, डेविड हार्डिमैन (लेकेस्टर विश्वविद्यालय), वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई VI : समकालीन मुद्दे : सामाजिक-सांस्कृतिक

(Contemporary Issues : Socio-cultural)

136-161

निर्धनता, निर्धनता के कारण, निर्धनता निवारण, जातीय एवं लैंगिक असमानता, लिंग आधारित असमानता, क्षेत्रीय, नृजातीय एवं धार्मिक विसमरसता, क्षेत्रीय विसमरसता, नृजातीय विसमरसता, धार्मिक विसमरसता, हिन्दू-

मुस्लिम विसमरसता, हिन्दू-सिख विसमरसता, हिन्दू-ईसाई विसमरसता, पारिवारिक विसमरसता : घरेलू हिंसा, दहेज, तलाक एवं अन्तरपीढ़ीय संघर्ष, विवाह-विच्छेद, अन्तरपीढ़ीय संघर्ष, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई VII : समकालीन मुद्दे : विकास

(Contemporary Issues : Development)

162-178

जनसंख्या, अधिक जनसंख्या : सकारात्मक दृष्टिकोण, गंदी बस्तियाँ, स्वास्थ्य समस्याएँ, पारिस्थितिकीय पतन एवं पर्यावरण प्रदूषण, विस्थापन, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई VIII : विचलन से सम्बन्धित मुद्दे

(Issues Pertaining to Deviance)

179-199

विचलन एवं इसके प्रकार, अपराध एवं विचलित व्यवहार, अपराध के समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, अपराध एवं अपराधियों के बदलते प्रतिमान, आत्महत्या, मादक पदार्थों का व्यसन, व्यसन के कारण सम्बन्धी सिद्धान्त, नशामुक्ति के लिए कुछ सुझाव, सफेदपोश अपराध एवं भ्रष्टाचार, सदरलैण्ड के विचारों की आलोचना, सफेदपोश अपराधों को रोकने के उपाय एवं उपचार, भ्रष्टाचार, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई IX : समसामयिक विवाद (Current Debates)

200-228

भारत में परम्परा एवं आधुनिकता, आधुनिकता की विशेषताएँ, परम्परा बनाम आधुनिकता, राष्ट्र निर्माण की समस्या : पंथ और धर्म निरपेक्षता बहुलतावाद और राष्ट्र निर्माण, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई X : वैश्वीकरण की चुनौतियाँ : समाजशास्त्र का देशजीकरण, शिक्षा का निजीकरण, भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति (The Challenges of Globalisation : Indigenisation of Sociology, Privatisation of Education, Science and Technology Policy of India)

229-252

वैश्वीकरण या भूमंडलीकरण, समाजशास्त्र का देशजीकरण, शिक्षा का निजीकरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

तृतीय प्रश्न-पत्र (B) [Paper-III (B)]

ऐच्छिक या वैकल्पिक

ऐच्छिक I : ग्रामीण समाजशास्त्र (Rural Sociology)

253-328

ग्रामीण समाजशास्त्र का अर्थ, ग्रामीण समाजशास्त्र का विकास, भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र, ग्रामीण समाजशास्त्र का विषय क्षेत्र, ग्रामीण समाजशास्त्र की प्रकृति, ग्रामीण समाजशास्त्र एक विज्ञान के रूप में, ग्रामीण समाजशास्त्र की अध्ययन पद्धतियाँ, ग्रामीण समाजशास्त्र के उद्देश्य, ग्रामीण समाजशास्त्र के प्रकार्य, ग्रामीण समाजशास्त्र की उपयोगिता, भारत में ग्रामीण प्रक्रियाएँ : स्थानीयकरण, सार्वभौमिकरण, संस्कृतिकरण, लघु एवं वृहत् परम्पराएँ, ग्रामीण एवं नगरीय जीवन में अन्तर, कृषक सम्बन्धी अध्ययन, जजमानी व्यवस्था एवं जजमानी अन्तःसम्बन्ध, जजमानी व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ, जजमानी व्यवस्था के गुण, जजमानी व्यवस्था के दोष, जजमानी व्यवस्था के विघटन के कारण, भारत में पंचायती राज व्यवस्था, भारतीय संविधान और पंचायती राज, पंचायती राज संस्थाएँ, ग्राम पंचायत— गठन, अधिकार एवं शक्तियाँ, पंचायती राज की समस्याएँ, सफलता के लिए सुझाव, कृषक अन्तःसम्बन्ध : भूमि सुधार, कृषक असन्तोष एवं कृषक आन्दोलन, परम्परागत ग्रामीण भारत में कृषक सम्बन्ध एवं भूमि व्यवस्था, समकालीन ग्रामीण भारत में कृषक सम्बन्ध एवं भूमि प्रबन्धन, भूमि-सुधार, भूमि अधिकारों में सुधार, भारत में कृषक आन्दोलन, ग्रामीण विकास और परिवर्तन, ग्रामीण समाज में परिवर्तन के प्रमुख कारक, ग्रामीण भारत में हरित क्रांति एवं अन्य क्रांतियाँ, हरित क्रांति, भारत में हरित क्रांति के चरण, हरित

क्रांति के दोष एवं दुष्परिणाम, हरित क्रांति के लाभ, हरित क्रांति की सफलता के लिए सुझाव, भारत में पीली क्रांति, भारत में श्वेत क्रांति, भारत में नीली क्रांति, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

ऐच्छिक II : उद्योग एवं समाज (Industry and Society)

329-378

औद्योगिक समाजशास्त्र, उद्योगवाद, औद्योगीकरण, औद्योगिक जनतन्त्र, औद्योगिक मनोविज्ञान, औद्योगिक क्रांति, औद्योगिक समाज, औद्योगिक सम्बन्ध, भारत में मजदूर संघ की गतिविधियाँ, श्रम के बदलते प्रतिमान, भारत में श्रम का आकार और स्वरूप, कुशल श्रमिकों की समस्या, श्रम आवर्त और अनुपस्थिति प्रवृत्ति, बदलते श्रम-प्रबन्ध सम्बन्ध, औद्योगिक मजदूरों की दशाएँ, श्रम सम्बन्धी कानून, गुणवत्ता केन्द्र, औद्योगिक समाज में वर्ग तथा वर्ग संघर्ष, सामाजिक वर्ग का अर्थ, वर्ग-चेतना, अलगाव, अलगाव की विशेषताएँ, अलगाव के स्वरूप, औद्योगिक योजना : औद्योगिक नीति, औद्योगिक नीति के उद्देश्य, 1948 की औद्योगिक नीति की आलोचनात्मक समीक्षा, उद्योगों का नियमन, जनता सरकार की औद्योगिक नीति की समालोचना, सार्वजनिक क्षेत्र की महत्ता, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

ऐच्छिक III : विकास का समाजशास्त्र (Sociology of Development)

379-415

विकास, टिकाऊ या सम्पोषक विकास, मानवीय विकास, आर्थिक संवृद्धि, आर्थिक विकास और आर्थिक संवृद्धि में अन्तर, अल्पविकास की अवधारणा, विकास के प्रमुख उपागम, उदारवादी सिद्धान्त, आश्रितता (पराश्रितता) सिद्धान्त, विकास के मार्ग, ट्रस्टीशिप का सिद्धान्त, सामाजिक संरचना एवं विकास, आर्थिक विकास की अवधारणा, आर्थिक विकास की पूर्वापेक्षाएँ एवं बाधाएँ, भारत में आर्थिक विकास में सामाजिक बाधाएँ, आर्थिक विकास की अवस्थाएँ, सामाजिक परिवर्तन आर्थिक विकास से पूर्व या पश्चात्, आर्थिक विकास की समाजशास्त्रीय समस्याएँ, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

ऐच्छिक IV : जनसंख्या एवं समाज (Population and Society)

416-456

जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त, माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त, माल्थस का जनसंख्या नियंत्रण के बारे में दृष्टिकोण, माल्थस के सिद्धान्त की समालोचना, जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त, भारत में जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण, भारत में जनसंख्या वृद्धि के कारण, जनसंख्या-नियंत्रण के प्रयास, जनसंख्या विकास पर विश्व रिपोर्ट, जनसंख्या सम्बन्धी अवधारणाएँ, प्रजननता का अर्थ व परिभाषा, प्रजननता के सामाजिक निर्धारक, प्रवासन या प्रवास और समाज पर इसका प्रभाव, प्रवासन के प्रकार या स्वरूप, जनसंख्या एवं आर्थिक विकास के पक्ष, जनसंख्या नियंत्रण, परिवार कल्याण कार्यक्रम, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति-2000, जनसंख्या शिक्षा, जनसंख्या शिक्षा के उद्देश्य, जनसंख्या शिक्षा की आवश्यकता, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

ऐच्छिक V : लिंग और समाज (Gender and Society)

457-504

लिंग भेद का समाजशास्त्र, जेन्डर (लिंग), लैंगिक पृथक्करण, लिंग की सामाजिक अवधारणा, पुरुषवादी मिथक और स्त्री उपेक्षा, सांस्कृतिक प्रतीकवाद एवं महिलाओं की भूमिका, बालक एवं बालिकाओं की अधिकारिता : मिथक और यथार्थ, सामाजिक संरचना एवं लिंग असमानता, मातृसत्तात्मकता एवं पितृसत्तात्मकता, श्रम विभाजन, उत्पादन एवं पुनरुत्पादन, लिंग और विकास, संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार घोषणा (1948), स्वतन्त्रता से पूर्व प्रयास, स्वतन्त्र भारत में प्रयास, लिंग और विकास के परिप्रेक्ष्य, महिला आरक्षण विधेयक, कल्याणकारी, विकासात्मक सबलीकरण, नई दिशा नीति की भूमिका, नारी विकास की विशिष्ट योजनाएं एवं रणनीतियाँ, स्वाधीनता के बाद, पारिस्थितिकी नारीवाद, सामाजिक कानून, आर्थिक कानून, राजनैतिक अधिकार, अधिकार चेतना, सामाजिक अधिकारों की चेतना, आर्थिक अधिकारों की चेतना, राजनैतिक अधिकारों की चेतना, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.